राजस्थान पत्रिका

Tuesday, January 31, 2012

रणक्षेत्र से कम नहीं है प्रबंधन

'थ्रेसहोल्ड 2012' महोत्सव आज

मीडिया महोत्सव में भी जुटेगी भीड़

बेंगलूरु

bangaluru@patrika.com

प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाबी का झंडा गाड़ना उतना ही मुश्किल है जितना कि युद्ध को फतह करने के बाद अपने देश का झंडा फहराना। युद्ध की विधाओं को आधार बनाकर जैन डीम्ड विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज (सीएमएस) की ओर से मंगलवार को निम्हांस सभागार में सुबह नौ बजे से एक प्रबंधन महोत्सव 'थ्रेसहोल्ड 2012' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चीनी जनरल सूं जू के द्वारा रणक्षेत्र में अपनाए गए तौर-तरीकों पर लिखित एक पुस्तक के आधार पर प्रबंधन की भी विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के नुस्खे सिखाए जाएंगे।

महोत्सव में पांच प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें श्रेष्ठ प्रबंधक (कमांडर), परिवर्तनशील कारक (मार्केटिंग), स्थिर कारक (वित्त), नैतिक कानून (जनसंपर्क) तथा प्रक्रिया व अनुशासन (मानव संसाधन) शामिल हैं। इसमें देशभर से कई कॉलेजों के भाग लेने की उम्मीद है।

मिलांगे 2012

युवाओं को मीडिया जगत की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के लिए प्रबंधन महोत्सव के साथ ही एक मीडिया महोत्सव 'मिलांगे 2012' का भी आयोजन किया जाएगा। बिना नैतिक मूल्यों से नाता तोड़े किसी मीडिया संगठन के लिए वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की प्रक्रिया में निहित चुनौतियों पर कार्यक्रम में चर्चा की जाएगी। इसके अलावा विज्ञापनों के बढ़ते चलन तथा टीआरपी युद्ध के सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। थिंक इंक कार्यक्रम में प्रतिभागियों के अंग्रेजी व्याकरण, सामान्य ज्ञान व समसामयिक जानकारी की जांच की जाएगी। एड-डॉन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का आकलन, जबकि एयरवेव में भाषा पर प्रतिभागियों की पकड़ का परीक्षण किया जाएगा। *(का.सं.)*